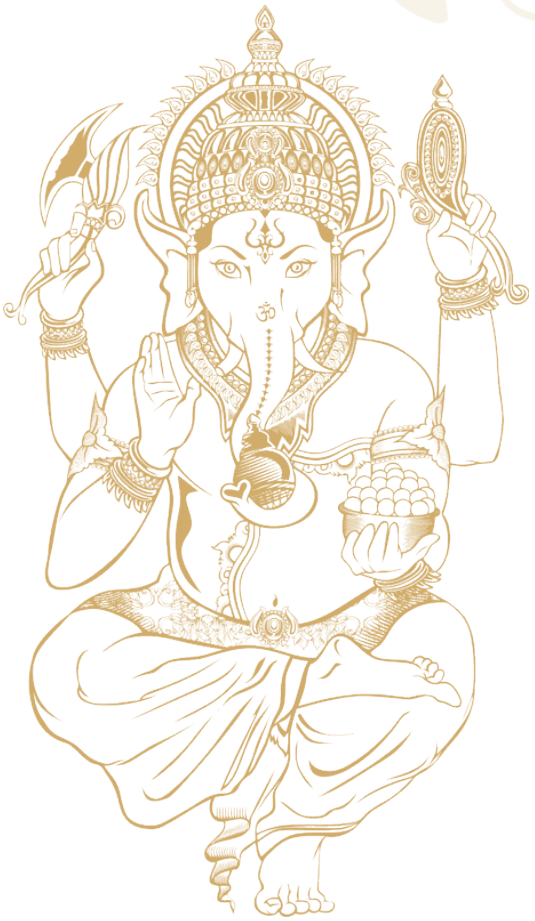

Mr. Anant mehra

Shreya

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119001002

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
17/07/1995	जन्म तिथि	01/07/1999
सोमवार	दिन	गुरुवार
घंटे 08:50:00	जन्म समय	08:25:00 घंटे
घटी 08:10:13	जन्म समय(घटी)	07:25:48 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:33:54	सूर्योदय	05:26:40
19:20:10	सूर्यास्त	19:22:54
23:47:51	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:48

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
गुरु 0वर्ष 6मा 14दि		11:23:15	सिंह	लग्न	कर्क	22:23:03	चन्द्र 9वर्ष 11मा 11दि	
बुध		00:18:39	कर्क	सूर्य	मिथु	15:01:01	राहु	
30/01/2015		02:52:57	मीन	चंद्र	मक	10:04:14	11/06/2016	
30/01/2032		03:42:53	कन्या	मंगल	तुला	04:52:53	11/06/2034	
बुध	28/06/2017	17:54:54	मिथु	बुध	कर्क	10:26:07	राहु	22/02/2019
केतु	25/06/2018	12:09:06	वृश्चि व	गुरु	मेष	06:34:46	गुरु	18/07/2021
शुक्र	25/04/2021	20:43:45	मिथु	शुक्र	कर्क	28:38:17	शनि	24/05/2024
सूर्य	01/03/2022	00:51:28	मीन व	शनि	मेष	20:23:05	बुध	11/12/2026
चन्द्र	01/08/2023	07:51:35	तुला व	राहु व	कर्क	19:21:15	केतु	29/12/2027
मंगल	28/07/2024	07:51:35	मेष व	केतु व	मक	19:21:15	शुक्र	29/12/2030
राहु	14/02/2027	04:52:54	मक व	हर्ष व	मक	22:19:50	सूर्य	23/11/2031
गुरु	22/05/2029	00:22:01	मक व	नेप व	मक	09:47:13	चन्द्र	24/05/2033
शनि	30/01/2032	04:09:22	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	14:29:19	मंगल	11/06/2034

लग्न-चलित

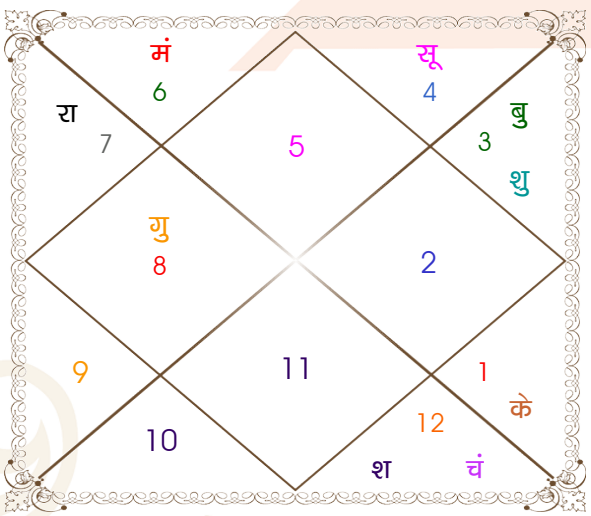

लग्न-चलित

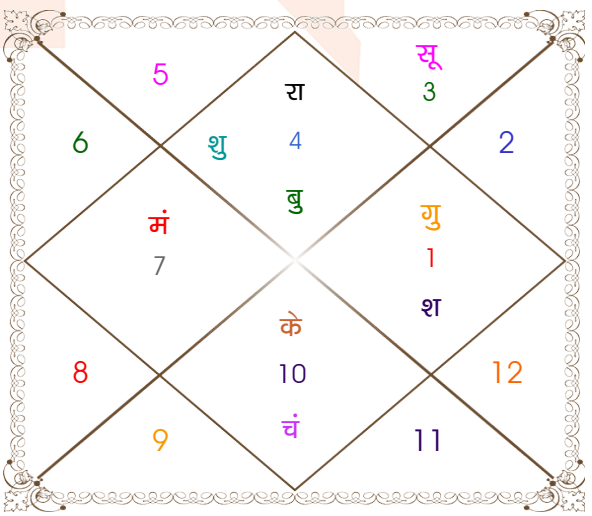

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सिंह	वानर	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	शनि	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	मकर	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.50		

डतप ।दंदज उमीतं का वर्ग सर्प है तथा Shreya का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतप ।दंदज उमीतं और Shreya का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

डतप ।दंदज उमीतं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

Shreya मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु डतप ।दंदज उमीतं कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतप ।दंदज उमीतं तथा Shreya में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।